सीरी में सीएसआईआर का 80वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

अतिथियों ने सीरी की वार्षिक रिपोर्ट 2020-21 का विमोचन किया

पिलानी (सीमा सन्देश सं.)। संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया की अध्यक्षता में सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान में सीएसआईआर के 80 वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ संजय कुमार निदेशक सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सीरी के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एल एन चौधरी एवं डी पी रूंथला ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। संस्थान के निदेशक डॉ पंचारिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में कोविड-19 आपदा के दौरान सीएसआईआर और सीरी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए संगठन द्वारा जीनोम सीक्वेंसिंग, सिरोलॉजीकल टेस्टिंग, वेंटिलेटर निर्माण, टेस्टिंग किट, दवाइयाँ, डिसइनफैक्टैंट, ऑक्सिजन कन्सेंट्रेटर, ऑक्सिजन प्लांट आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों एवं कृषि

के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग हेतु सीरी में स्थापित प्रिसीजन एग्रीकल्चर एक्सपेरिमेंटल स्टेशन का उल्लेख करते हुए संस्थान की शोध गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सीरी द्वारा विकसित किए गए किसान-सखा एप के बारे में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ संजय सिंह एवं प्रेसीजन एग्रीकल्चर स्टेशन के बारे में प्रधान वैज्ञानिक प्रमोद तंवर ने जानकारी दी। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि कार्यक्रम में अतिथियों ने वार्षिक रिपोर्ट 2020-2021 का भी विमोचन किया।

विशिष्ट अतिथियों ने इस अवसर पर अपने सेवाकाल के संस्मरण साझा किए । उन्होंने अपने अनुभवों एवं उद्बोधनों के माध्यम से सीरी के मौजूदा कार्मिकों एवं वैज्ञानिकों को अभिप्रेरित किया। कार्यक्रम में महिला अनुसंधानकताओं के लिए डॉ स्वराज श्रीवास्तव स्मारक अनुसंधान पुरस्कार एवं सीएसआईआर स्पोर्ट्स प्रोमोशन बोर्ड पुरस्कार के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा सीएसआईआर में 25 वर्षों की अनवरत सेवा पूरी करने वाले कार्मिकों एवं विगत एक वर्ष में अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने के उपरांत सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों की जानकारी भी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार निदेशक सीएसआईआर-आईएचबीटी ने अपने संबोधन में आह्वान किया कि सीरी अपनी इलेक्ट्रॉनिकी संबंधी विशेषज्ञता का उपयोग कृषि एवं कृषि उत्पादों के क्षेत्र में करे ताकि प्रधानमंत्री के सपनों को साकार किया जा सके। इस संदर्भ में उन्होंने शहद, केसर एवं हींग सहित विभिन्न कृषि उत्पादों में मिलावट का पता लगाने के लिए यंत्र विकसित करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल ने डॉ पी सी पंचारिया निदेशक सीएसआईआर-सीरी डॉ पी के खन्ना मुख्य वैज्ञानिक, डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु नलिनी पारिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डॉ अदिति, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहित कार्यक्रम के आयोजन से प्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी सहकर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया।